भिवानी परिवार मैत्री संघ (पंजी.) का न्यूज लेटर

BPMS NEWS

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

विक्रम सम्वत् – 2077 ● मासिक पत्र : दिसम्बर 2020 ● पृष्ठ : 4 ● दिल्ली

मानवता की सेवा के लिए 'अपनाघर आश्रम समिति'

'अपनाघर आश्रम समिति' का मुख्य कार्य प्रभु स्वरुप कोई भी असहाय, लावारिस, बीमार, दयनीय स्थिति में पड़े तड़प रहे लोग जो अपना पता बताने में भी असमर्थ हैं, उन्हें 'अपनाघर आश्रम समिति' में लाकर उनकी सेवा करना, उनका इलाज करवाना व उन्हें पुनः स्वस्थ करना है। इस कार्य के लिए 'अपनाघर आश्रम समिति' संस्था द्वारा बहुत सी एम्बुलेंस इस सेवा कार्य के लिए सब जगह घूमती रहती है ताकि कहीं भी कोई बीमार, असहाय व्यक्ति मिले तो उसे अपनाघर आश्रम तक पहुंचाया जा सके। भिवानी परिवार मैत्री संघ की अपनाघर आश्रम समिति, अपनाघर आश्रम संस्था के साथ मिलकर असहाय अथवा लावारिस मानव की सेवा कर रही है। अपनाघर आश्रम देश भर में 37 शाखाओं के माध्यम से दयनीय स्थिति में सार्वजनिक स्थानों पर पड़े मानव की सेवा कर रहें हैं। समिति के प्रयास से भिवानी में श्रद्धेय स्वामी सदानंद जी महाराज के आशीर्वाद से अपनाघर आश्रम संचालित है। अभी यहां 55 प्रभुजन सेवा लाभ ले रहे हैं और आने वाले समय में ये संख्या 100 पुरुष और 50 महिलायों की हो जाएगी। वर्तमान में सदानंद जी महाराज द्वारा कृष्ण प्रणामी मंदिर का एक नया भूखंड और भवन इस कार्य के लिए और दिया गया है, जिससे निराश्रित व्यक्तियों की अधिक से अधिक सहायता हो सके। 26 जनवरी 2021 को अपनाघर आश्रम भिवानी का वार्षिकोत्सव एवं नव महिला भवन का उद्घाटन का कार्यक्रम निश्चित हुआ है। इस सेवा के अद्भुत कार्य के साथ आप भी जुड़ सकते हैं।

संपर्क : श्री सांवरमल गोयल (9990541122)

भिवानी परिवार मैत्री संघ (पंजी.) की मुख्य मासिक पत्रिका

BPMS NEWS

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

सम्पादक

श्री जगत नारायण भारद्वाज

सह-सम्पादक

श्रीमती सुनीता शर्मा व श्री मनीष गोयल

कार्यालय

भिवानी परिवार मैत्री संघ, पंजीकृत (BPMS)

एफ-6, कोहली प्लाजा, सी यू ब्लॉक,
उत्तरी पीतमपुरा, दिल्ली-110034

दूरभाष : 9999305530, E-mail: admin@ebhiwani.com

http://www.ebhiwani.com

भिवानी के लोग

डॉ. नितिन अग्रवाल

आइये मिलते हैं कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. नितिन अग्रवाल से। 16 अक्टूबर 1979 भिवानी आसाराम का दरवाजा, नया बाजार के श्री वेद प्रकाश अग्रवाल और श्रीमती वीना अग्रवाल के घर डॉ. नितिन अग्रवाल का जन्म हुआ। MBBS, MD(Medicine) और DM (Cardiology) की पढ़ाई पूर्ण की। भिवानी के डॉ. रमेश बंसल की बेटी डॉ. प्रियंका अग्रवाल (BHMS, MD) से विवाह बंधन में बंधकर नम्या, ट्विशा और इवान बालकों के पिता। पंत हॉस्पिटल, सरोज हॉस्पिटल, भगवती हॉस्पिटल में सेवा करने के बाद वर्तमान में राजीव गांधी कैंसर एवं बालाजी एक्शन हॉस्पिटल में कार्यरत। आपके साथ पत्नी डॉ. प्रियंका अग्रवाल भी होम्योपैथी की प्रैक्टिस करती हैं ।

डॉ.नितिन अग्रवाल BPMS के आजीवन सदस्य हैं तथा 24 x7 सेवा के लिये तत्पर रहते हैं।

संपर्क :-

Namya Medical & Heart Centre
F18/66 Sec 8, Rohini, Delhi-85
M:9999868976

सम्पादकीय

भिवानी के संस्थापक राजा नीमपाल के एक सुपुत्र बाच्छु हुए, इनके वंशजों ने इनके नाम से बिछवाने वाला जोहड़ बनवाया। इनके जोनपाल व महिपाल दो पुत्र हुए। महिपाल छोटा होने के कारण उन्हें लोहड़िया भी कहा जाता था। कहा जाता है कि एक बार भूपसिंह नाम का बंजारा जो प्रतिहार वंशी था का टान्डाभिवानी आया हुआ था। उनके कोई पुत्र नहीं था। जोनपाल उसकी लड़की के प्रेम में फंस गया और शादी करने की ठानी। बंजारे भूपसिंह ने जोनपाल को कसम खिलाई कि वह अपनी लड़की की शादी तो उसके साथ कर देगा परन्तु वह मेरे साथ ही रहेगा ।

जब चार दिनों तक जोनपाल घर नहीं आया और लोहड खाना खाने लगा तो उसकी भाभी ने ताना मारते हुए कहा कि भाई का तो पता नहीं भूखा है या तिसाया खुद खाने बैठ गया है। इतना सुनते ही लोहड़ ये कह घर छोड़कर चला गया कि जबतक जोनपाल को वापस न ले आऊं तब तक घर में नहीं आऊंगा। लोहड़ पता करते हुए जोनपाल को ढूंढते हुए दिल्ली की ओर चला गया।वहां उसने देखा कि जोनपाल यमुना तट पर हाथी पर बैठा घूम रहा है। लोहड के साथ बहुत बातचीत करने पर भी जोनपाल ने वापिस घर आने के लिए मना कर दिया।

दोनों संकल्पबद्ध थे। यह सन् 1414 की बात है जब दिल्ली पर सैयद वंश के खिज्रखां का शासन था।

लोहड भाई को तो वापस न ला सके और जब वे (लोहड) भिवानी आए तो अपनी प्रतिज्ञा के कारण वे घर में न आकर आज जो डोभी तालाब पर इमली का पेड़ है उसके नीचे बैठकर तपस्या करने लगे। लोगों ने उनको बहुत तरह से समझाया कि उनकी प्रतिज्ञा का प्रायश्चित करा दिया जाएगा पर राजपूती संकल्प के कारण वे अपनी प्रतिज्ञा से डिगे नहीं। तपस्या करते हुए उन्हें अनेक प्रकार की सिद्धियां प्राप्त हुई। वे इतने तपी हुए कि भिवानी व आसपास के हिन्दू व मुसलमान उन्हें देव मानकर पूजने लगे। हिन्दू होने से लोहडवीर तथा मुस्लिमों के लिए वे लोहडपीर बन गए। जिस इमली के पेड़ के नीचे उन्होंने तपस्या की थी उसी के नीचे उनकी समाधि बनी है।

राजस्थान में जब भी कभी भिवानी के सैनिकों ने किसी अन्य राजा की सेना से मिलकर युद्ध किए तो पहले बाबा लोहडवीर की जय का उद्घोष करते थे। इसके प्रमाण क्या मखानीरासो व राजस्थान से निकलने वाली पत्रिका वरदा में दिए हैं। कहा जाता है कि 1947 में हिन्दू मुस्लिम दंगो के समय बाबा लोहडवीर ने भिवानी के हिन्दुओं की अपनी शक्तियों से सहायता की थी। आज भी लोग यहाँ प्रतिदिन पूजा करने आते हैं, विशेषरूप से प्रत्येक बृहस्पतिवार को तो हजारों की संख्या में इनके भक्त आकर समाधि पर मन्नत मांगते है।

वर्ष में फुलेरा दूज के दिन इनके जन्मदिन पर बड़ा भंडारा लगाया जाता है व रात्रि को कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। वास्तव में लोहड़वीर भिवानी के नगर देवता हैं। स्थानीय निवासी अपने शुभकार्यों को करते समय अन्य देवताओं के साथ इनको भी पूजते हैं।

नोट : बहुत लोगों का मानना है कि लोहड मुसलमान बन गए थे परन्तु हमें एक भी ऐसा प्रमाण नहीं मिला जिससे ये बात सुनिश्चित की जा सके। अगर वे मुसलमान बन गए होते तो आज उनके वंशज यवन ही होते।

-जगत नारायण भारद्वाज

स्मृति शेष

भिवानी परिवार दिवंगत आत्माओं के प्रति श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता है

श्री हरीओम गोयल
2 नवम्बर 2020

श्री महेश भगेरिया
6 नवम्बर 2020

श्री बी एल गुप्ता
25 नवम्बर 2020

श्री सुरेन्द्र चौधरी
26 नवम्बर 2020

जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनाएं

श्री विपिन भगेरिया
संरक्षक सदस्य
(1 दिसम्बर)

श्री संजय जैन
संरक्षक सदस्य
(2 दिसम्बर)

श्री डी.सी. अग्रवाल
भिवानी गौरव
(3 दिसम्बर)

श्री हरी कृष्ण चौधरी
भिवानी गौरव
(4 दिसम्बर)

श्री सतीश कुमार गुप्ता
संरक्षक सदस्य
(5 दिसम्बर)

श्री ब्रह्म सरूप गुप्ता
संरक्षक सदस्य
(5 दिसम्बर)

श्री नवीन कुमार मित्तल
संरक्षक सदस्य
(7 नवम्बर)

श्री बुद्धदेव आर्या
भिवानी गौरव
(10 दिसम्बर)

श्री हंसराज रलहन
संरक्षक सदस्य
(10 दिसम्बर)

श्री सत्यदेव चौधरी
संरक्षक सदस्य
(15 दिसम्बर)

श्रीमती विभा भारद्वाज
भिवानी गौरव
(16 दिसम्बर)

श्री पंकज जैन
संरक्षक सदस्य
(28 दिसम्बर)

श्री रमाकांत शर्मा
भिवानी गौरव
(29 दिसम्बर)

भक्तों की मन्नतें पूरी होती हैं पहाड़ी माता के मंदिर में

श्री पहाड़ी माता का मंदिर सैकड़ों फिट पहाड़ पर श्री पहाड़ी धाम में स्थित हैं । श्री पहाड़ी धाम भिवानी से 50 किलोमीटर, ढिगावा से 12 किलोमीटर दूर है। यहाँ पर साल में दो बार नवरात्रों में मेला लगता हैं। जिसमें लाखों भक्त दूर-दूर से राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली, कोलकाता, सिलीगुड़ी, उड़ीसा, बिहार व देश के हर कोने से आते है। जो सभी लोग नवरात्रों में एक परिवार की तरह एक साथ रहते है। माँ के दरबार में सभी भक्तों की मन्नतें पूरी होती है इनके दरबार से कोई खाली हाथ नहीं लौटता। इसलिए हर बार मेले में भक्तों की भीड़ बढ़ती रहती हैं। पहाड़ी माता का मंदिर एक ऊंची पहाड़ी पर है। इसलिए पहाड़ी से आस-पास सुंदर हरियाली दूर-दूर तक नजर आती हैं।

पहाड़ी माता के भक्त विनय सिंघल ने बताया कि यह धाम पांडवकालीन है। पूर्वज बताते हैं कि महाभारत काल में पांडवों ने भी पहाड़ी माता की पूजा की थी। लोहारू के नबाब मुसलमान होते हुए भी पहाड़ी माता पर छत्र चढ़ाने आते थे। पहले पहाड़ पर जाने के लिए पत्थरों पर होकर चढ़ाई करते थे। अब भक्तों ने मिलकर यहाँ पर छायादार सीढ़ियाँ बनवा दी हैं अब लिफ्ट भी बन रही हैं । यहाँ पर मेले में आने वाले भक्तों के लिए भक्त लोग भंडारा भोजन, चाय और रहने की सुंदर व्यवस्था करते हैं। यह सभी परिवार गठजोड़ों की जात और बच्चों के मुंडन अपनी कुलदेवी पर ही करते हैं। पहाड़ी माता के मंदिर कोलकाता, धनबाद देश के हर कोने में बने हुए है। अब जल्दी ही देश की राजधानी दिल्ली में भी पहाडी माता का मंदिर बनने वाला है। हजारों भक्त पैदल निशान यात्रा लेकर पहाड़ी धाम पहुंचते है और यहां रात्रि जागरण होता हैं।

माँ पहाड़ी के आशीर्वाद से लोग यहां अपने आप खिंचे चले आते हैं अब युवा पीढ़ी ने माता की भक्ति में अपने पूर्वजों को भी पीछे जोड़ दिया हैं। दिल्ली में बसे पहाड़ी माता के सभी भक्तों ने मिलकर एक ट्रस्ट श्री पहाड़ी माता भक्त परिवार बना रखी हैं। यह ट्रस्ट लगातार 4 वर्षों से पहाड़ी माता उत्सव बना रही हैं।

रिपोर्ट : श्री विनय सिंघल
मो: 9999190575

नवम्बर माह में किये गए कार्यक्रम

'ज्ञान गंगा'

भिवानी परिवार मैत्री संघ द्वारा ज्ञान गंगा नाम से एक वर्च्युल सीरीज की जा रही है, जिसमें हम संस्था के सदस्यों को वेबिनार्स के माध्यम से देश के बड़े-बड़े स्पीकर्स से मिलवाते हैं और देश, स्वास्थ्य, व्यापार आदि विषयों पर महत्वपूर्ण जानकारी भी देते है। इस सीरीज के अंतर्गत इस महीने में अब तक 4 वर्च्युल सेमिनार संस्था द्वारा किये जा चुके हैं। जिनका विवरण इस प्रकार है।

Tea on Wheels

Tea on Wheels 15

दिनांक : 1 नवम्बर
वक्ता : श्री अरुण ऋषि स्वर्गीय
विषय : एक दवा निराली
15 सेकेंड की ताली

Tea on Wheels 16

दिनांक : 8 नवम्बर
वक्ता : श्री दीपक सचदेवा
विषय : दीवाली और स्वास्थ्य

Tea on Wheels 17

दिनांक : 22 नवम्बर
वक्ता : श्री नीरज अत्री
विषय : भारत और इस्लाम

पुस्तक प्रभात

भिवानी परिवार मैत्री संघ द्वारा संस्था के यू ट्यूब चैनल पर पुस्तक प्रभात नाम की एक श्रृंखला शुरू की गई, जिसमें इस माह में निम्नलिखित पुस्तकों पर चर्चा हुई।

भगत सिंह (एक ज्वलंत इतिहास), अपने बच्चे को बेस्ट कैसे बनायें, Oh, MIND Relax Please, मन की बात पन्नों पर, आदि पुस्तकें सम्मिलित हैं।

श्री मनोज शर्मा

श्री सोमवीर आर्य

श्री सम्पूर्ण सिंह बागड़ी

श्री मनोज भारत

महिला सशक्तिकरण की उक्ति को चरितार्थ करतीं डॉ. सुधा चौहान

जिंदगी जिंदादिली का नाम है लेकिन यही जिंदगी जब अपने उसूलों के साथ सरलता व सादगी के साथ जी जाए तो उससे बना व्यक्तित्व बेमिसाल बन जाता है। महिला सशक्तिकरण की उक्ति को चरितार्थ करती ऐसी ही बेमिसाल शख्सियत का नाम है डॉक्टर सुधा चौहान। जी हां, छोटी काशी भिवानी के वैश्य महाविद्यालय के प्राचार्य पद को सुशोभित करती जाने-माने शिक्षाविद डॉक्टर पूर्ण सिंह वर्मा की सुपुत्री डॉ. सुधा चौहान। शिक्षा विभाग में अपने 33 वर्षों के कार्यकाल के दौरान उन्होंने हजारों छात्र-छात्राओं के भविष्य को अपने ज्ञान की शुचिता से उज्ज्वल किया है। अपने माता-पिता से मिले संस्कार व सीख को अपना संबल बनाते हुए सुधा जी ने समाज के प्रति हमेशा गहरी संवेदनशीलता दिखाई है। अपने पद की गरिमा को बनाए रखते हुए आपने हमेशा बेटियों की सुरक्षा उनकी शिक्षा तथा उनके सशक्तिकरण के प्रयास किए हैं। जीवन की अनवरत यात्रा में अपने नाम और प्रसिद्धि से दूर डॉक्टर सुधा चौहान अपने कर्तव्य पथ की स्वयं साक्षी रही हैं। समाज को अपने त्याग और समर्पण से नई दिशा दिखाती आपकी भूमिका ने सबको प्रेरित किया है। समाज के ज्वलंत मुद्दों यथा भ्रूण हत्या और बिखरते संयुक्त परिवारों की टीस ने हमेशा आपको समाज के प्रति कुछ करने के लिए उद्वेलित किया है। यही कारण रहा की इन विषयों पर आपने बेटियों को जागरूक कर एक नई दिशा की तरफ मोड़ा है। जीवन के प्रति आपका सकारात्मक दृष्टिकोण दृढ़ता से लिए गए निर्णय और आपकी सादगी व सरलता ने आपके व्यक्तित्व को सशक्त महिला की प्रथम पंक्ति में ला खड़ा किया है।

प्रस्तुति : श्रीमती अनिता नाथ, मो: 9896517300

व्रत त्यौहार दिसम्बर 2020

- सोमवती अमावस्या : सोमवार 14 दिसंबर
- गीता जयंती : शुक्रवार 25 दिसंबर

सेवा समितियां

भिवानी परिवार मैत्री संघ द्वारा संस्था के कार्यों को सुचारू रूप से चलाने के लिए जिन समितियों का गठन किया गया था उनका विवरण इस प्रकार है।

1. डी.डी.ए. प्लॉट समिति : श्री अरविंद गर्ग, 9811757577
2. बिजनेस पाठशाला : श्री हंसराज रल्हन, 9212163340
3. संविधान समिति : श्री दिनेश गुप्ता, 9810003215
4. बधाई एवं संवेदना संदेश समिति : श्री हरिकृष्ण अग्रवाल, 9873238530
5. 24 x 7 हेल्थ हेल्प लाईन : श्री पवन मोडा, 9350461306
6. अपना घर आश्रम समिति : श्री सांवरमल गोयल, 9990541122
7. शिक्षा बैंक : श्री पंकज गुप्ता, 9654909070
8. नेत्रदान-देहदान समिति : श्री एन.आर.जैन, 9711917855
9. वैब पोर्टल : श्री प्रमोद शर्मा, 9868162572
10. कृत्रिम अंग सेवा समिति : श्री नवीन जयहिंद, 9313581995
11. आपदा राहत समिति : श्री दिनेश गुप्ता, 9810003215
12. रोजगार समिति : श्री सुशील गनोत्रा, 9899454931
13. विवाह सुझाव एवं मैटरीमोनियल समिति : श्री विनय सिंघल, 9999190575
14. जल सेवा समिति : श्री हरिकृष्ण अग्रवाल, 9873238530
15. पर्यटन समिति : श्री मनीष गोयल, 9811195512
16. यू-ट्यूब समिति : श्री राजेश चेतन, 9811048542
17. वस्त्र एवं औषधि संग्रहण समिति : श्री गोविंदराम अग्रवाल, 9312923340
18. वरिष्ठ नागरिक मनोरंजन केन्द्र (लाइब्रेरी) : श्री विनय सिंघल, 9999190575
19. हमारा बुक बैंक समिति : श्रीमती पूजा जैन, 9212232753

अगर आप भी इनमें से किसी समिति से जुड़ना चाहते है या अपने सुझाव देना चाहते है तो आप समिति के संयोजक से संपर्क कर सकते है।